राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा

प्रलिम्सि के लयि:

स्कूली शक्षिा के लयि राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा, राष्ट्रीय शक्षिा नीति 2020

मेन्स के लयि:

राष्ट्रीय शक्षिा नीति 2020 की वशिषताएँ, भारत में शक्षिा क्षेत्र से संबंधति प्रमुख मुद्दे, शैक्षकि सुधारों से संबंधति सरकारी पहल

स्रोत: द हदि

चर्चा में क्यों?

हाल ही में राष्ट्रीय शैक्षकि अनुसंधान और प्रशक्षिण परषिद (NCERT) द्वारा **राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF)** जारी की गई, जसिसे राष्ट्रीय शक्षिा नीति (NEP) 2020 के नयिमों के तहत शक्षिा प्रणाली में महत्त्वपूर्ण सुधार हुए।

- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (National Curriculum Framework- NCF) **केंद्रीय माध्यमकि शक्षिा बोर्ड (CBSE) के तहत कक्षा 3 से कक्षा 12 तक के वद्यिार्थयिों के** लयि शैक्षकि परदृश्य को नया आकार देते हुए भाषा सीखने, वषिय संरचना, मूल्यांकन रणनीतयिों और पर्यावरण शक्षिा में बदलाव पेश करती है।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा की मुख्य वशिषताएँ:

- **भाषा सीखना:**
  - **कक्षा 9 और 10** के वद्यिार्थी **तीन भाषाएँ सीखते** हैं, जनिमें से कम-से-कम दो **मूल भारतीय भाषाएँ होती हैं।**
  - **कक्षा 11 और 12 में दो भाषाएँ पढ़ाई जाएंगी,** जनिमें **एक भारतीय मूल** की होगी।
    - **कम-से-कम एक भारतीय भाषा में भाषायी क्षमता का "साहत्यिकि स्तर" हासलि करने का लक्ष्य है।**
- **बोर्ड परीक्षा और मूल्यांकन:**
  - यह वद्यिार्थयिों/छात्रों को एक **स्कूल वर्ष (School Year) में कम-से-कम दो बार पर बोर्ड परीक्षा देने की अनुमति** देता है।
    - दी गई परीक्षाओं में से **केवल सर्वोत्तम स्कोर को ही बरकरार रखा** जाएगा।
- **NEP 2020 के साथ संरेखण:**
  - राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा NEP 2020 के दशिा-नरि्देशों के अनुसार है। यह CBSE के तहत ग्रेड 3 से 12 तक नई पाठ्य-पुस्तकें तैयार करने हेतु आवश्यक रूपरेखा प्रदान करती है।
    - **कक्षा 3 से 12 के लयि पाठ्य-पुस्तकों को 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप** बनाना।
    - **दूरदर्शति और वर्तमान संदर्भ में समन्वय सुनश्चिति करने पर ध्यान देना।**
- **अनविार्य एवं वैकल्पकि वषियों में परविर्तन:**
  - इससे पहले **कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों के लयि पाँच अनविार्य वषिय और एक अतरिक्ति वषिय लेने का वकिल्प** रहता था।
    - अब कक्षा **9 और 10 के लयि अनविार्य वषियों की संख्या सात** है तथा **कक्षा 11 एवं 12 के लयि छह** है।
- **वैकल्पकि वषिय:**
  - पहले समूह में कला शक्षिा, शारीरकि शक्षिा और व्यावसायकि शक्षिा सम्मलिति है।
  - दूसरे समूह में सामाजकि वज्ञिान, मानवकी और अंतःवषिय जैसे क्षेत्र सम्मलिति हैं।
  - तीसरे समूह में वज्ञिान, गणति और कंप्यूटेशनल सोच (Computational Thinking) सम्मलिति है।
- **छात्रों के लयि वकिल्प की सुवधिा:**
  - अधकि लचीलापन और वकिल्प प्रदान करने के लयि 'माध्यमकि चरण' को पुनः डज़िाइन कयिा गया।
  - शैक्षणकि और व्यावसायकि वषियों या वज्ञिान, सामाजकि वज्ञिान, कला और शारीरकि शक्षिा जैसे वषियों में कोई बड़ा अंतर नहीं होगा।
  - वद्यिार्थी अपने स्कूल छोड़ने के प्रमाणपत्र के लयि वषियों का दलिचस्प संयोजन चुन सकते हैं।
- **पर्यावरण शक्षिा:**

- पर्यावरण जागरूकता और स्थिरता पर ज़ोर दिया जाएगा।
- पर्यावरण शिक्षा को स्कूली शिक्षा के सभी चरणों में एकीकृत किया गया है।
- माध्यमिक चरण में पर्यावरण शिक्षा के लिये अलग से अध्ययन क्षेत्र होगा।

- **सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम के लिये सामग्री वितरण (कक्षा 6-8):**
  - 20% विषयवस्तु स्थानीय स्तर की होगी।
  - 30% विषयवस्तु क्षेत्रीय स्तर की होगी।
  - 30% विषयवस्तु राष्ट्रीय स्तर की होगी।
  - वैश्विक स्तर की 20% विषयवस्तु होगी।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा:

- **परिचय:**
  - **NCF नई शिक्षा नीति (New Education Policy- NEP) 2020 के प्रमुख घटकों में से एक है, जो NEP 2020 के उद्देश्यों, सिद्धांतों और दृष्टिकोण से सूचित इस परिवर्तन को सक्षम एवं सुनिश्चित करती है।**
  - NCF में पहले चार संशोधन वर्ष **1975, 1988, 2000 और 2005** में हो चुके हैं। **यदि प्रस्तावित संशोधन लागू होता है, तो यह ढाँचे का पाँचवा संशोधन होगा।**
- **NCF के चार खंड:**
  - स्कूली शिक्षा के लिये NCF (NCF for School Education- NCF-SE)
  - प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा के लिये NCF (मूलभूत चरण)
  - शिक्षक शिक्षा के लिये NCF
  - प्रौढ़ शिक्षा के लिये NCF
- **उद्देश्य:**
  - इसका उद्देश्य शिक्षाशास्त्र सहित पाठ्यक्रम में सकारात्मक बदलावों के माध्यम से NEP 2020 में परिकल्पित भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली को सकारात्मक रूप से बदलने में मदद करना है।
  - इसका उद्देश्य भारत के संविधान द्वारा परिकल्पित समतामूलक, समावेशी और बहुलवादी समाज को साकार करने के अनुरूप सभी बच्चों को उच्चतम गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020:

- **परिचय:**
  - यह भारत में शिक्षा में सुधार के लिये **एक व्यापक रूपरेखा** प्रदान करती **है** जिसे वर्ष **2020 में मंज़ूरी** दी गई थी, इसका उद्देश्य **शिक्षा हेतु एक समग्र और बहु-विषयक दृष्टिकोण प्रदान कर भारत की शिक्षा प्रणाली में महत्त्वपूर्ण बदलाव लाना** है।
- **NEP 2020 की विशेषताएँ:**
  - प्री-स्कूल से माध्यमिक स्तर तक शिक्षा का सार्वभौमीकरण।
  - छात्रों के संज्ञानात्मक और सामाजिक-भावनात्मक विकास पर आधारित **एक नई शैक्षणिक एवं पाठ्यचर्या संरचना** का परिचय।
  - प्राथमिक शिक्षा में **मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक** कौशल के विकास पर ज़ोर।
  - शिक्षा में अनुसंधान एवं विकास पर फोकस।

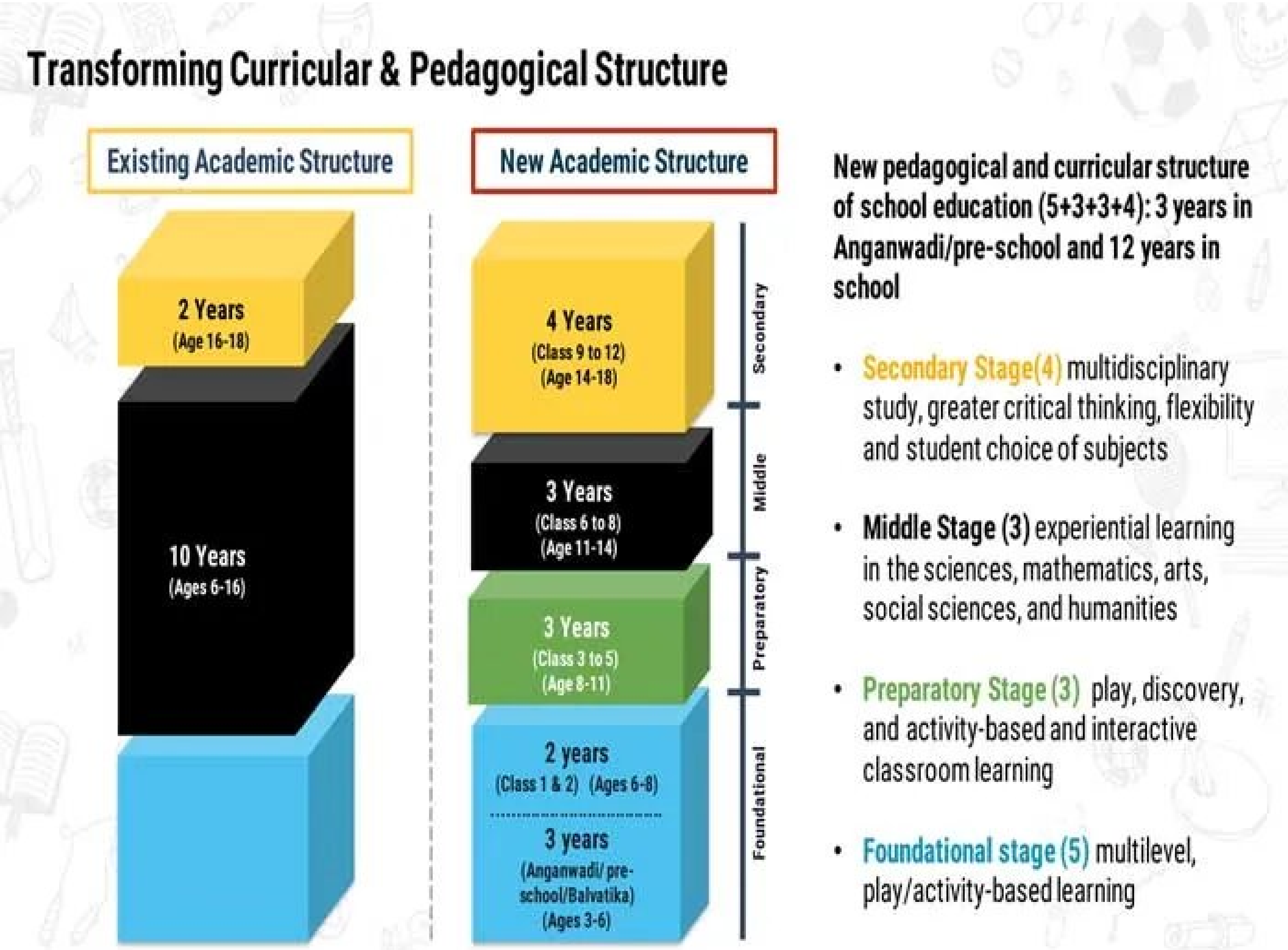

//

शैक्षकि सुधारों से संबंधति अन्य सरकारी पहल:

- प्रौद्योगिकी संवर्द्धति शिक्षण पर राष्ट्रीय कार्यक्रम।
- सर्व शिक्षा अभियान।
- प्रज्ञाता।
- मध्याह्न भोजन योजना।
- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ।
- पीएम श्री स्कूल।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2018)

1. शिक्षा का अधिकार (आर.टी.ई.) अधिनियम के अनुसार किसी राज्य में शिक्षक के रूप में नियुक्त होने हेतु अर्ह होने के लिये किसी व्यक्ति में संबंधित राज्य अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा निर्धारित न्यूनतम योग्यता का होना आवश्यक है।
2. आर.टी.ई. अधिनियम के अनुसार प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षण हेतु किसी अभ्यर्थी के लिये राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के दिशा-निर्देशों के अनुरूप लिये गए अध्यापक अर्हता परीक्षण में उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
3. भारत में 90% से अधिक अध्यापक शिक्षा संस्थान प्रत्यक्ष रूप से राज्य सरकारों के अधीन हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 1 और 3
(d) केवल 3

उत्तर: (b)

?????:

प्रश्न. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 धारणीय विकास लक्ष्य- 4 (2030) के साथ अनुरूपता में है। उसका ध्येय भारत में शिक्षा प्रणाली की पुनःसंरचना और पुनःस्थापना है। इस कथन का समालोचनात्मक निरीक्षण कीजिये। (2020)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/national-curriculum-framework-4